यालय उपखण्ड .... कठूमर जिला अलवर

.... तारीख रजू..............................

रघुबीर सिंह **बनाम** राजेन्द्र सिंह वगैरा।

हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
. 18	वकील प्रार्थी उपस्थित। पत्र प्रार्थना स्थगन 212 RTAct वकील प्रार्थी ने मूल वाद के साथ पेश किया। उसे दर्ज रजिस्टर हो। प्रतिवादी प्रस्तुत प्रा० पत्र व सम्पूर्ण पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रथम दृष्टया केस व सुविधा का संतुलन एवं अपूरणीय क्षति प्रार्थी के पक्ष में होना प्रतीत होता है अतः अप्रार्थीगण को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा पाबन्द किया जाता है कि वो आराजी ख० नं० 309 वाके मौजा नाहर टहला कठूमर में प्रार्थी के कब्जे काश्त में कोई दखलंदाजी मुजाहमत अथवा निर्माण नहीं करें। मौके की यथा स्थिति कायम रखें। अप्रार्थीगण को नोटिस हो कि उक्त आदेश की पालना में कोई उज्र नहीं हो तो [illegible] को पेश करें [illegible] की दशा में [illegible] किया जावे। अप्रार्थी गण जरिए नोटिस तलब हो। पत्रावली दिनांक 30/8/18 को पेश हो। (हस्ताक्षर) उपखण्ड अधिकारी कठूमर (अलवर)	2736 7/8/18

Signature Not Verified
Digitally signed by Sukha Ram Pindel
Date: 2024.06.19 10:24:04 IST
Reason: SelfAttested

	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	पक्षकारान उपस्थित। साबिक आदेश दिनांक 10/3/22 की पालना में पत्रा वी वास्ते बहस TI [illegible] दिनांक 27/10/23 को पेश हो उपखण्ड अधिकारी कनमर (अलवर)	
27/10/23	बकाया बोर्ड दौरान / P.O. साहब अवकाश पर होने से पत्रावली दिनांक 15/12/23 को पेश हो।	
15/12/23	पक्षकारान उपस्थित। साबिक आदेश दिनांक ..... की पालना में पत्रा वी वास्ते बहस TI दिनांक 30/1/24 को पेश हो उपखण्ड अधिकारी कनमर (अलवर)	
30/1/24	बकाया बोर्ड दौरान / P.O. साहब [illegible] पत्रावली दिनांक 22/3/24 को पेश हो।	
22/5/24	पत्रावली पेश हुई। आज बार एसो. ने कार्य बहिष्कार कर रखा है। P.O. साहब [illegible] पत्रावली दिनांक 31/5/24 को पेश हो रीडर	
31/5/24	पक्षकारान उपस्थित [illegible] पक्षकारान सुनी गयी [illegible] प्रस्तुत प्रार्थना पत्र [illegible] में लिखित कथनों को [illegible] स्वीकार्य जाने का निवेदन किया गया। जिस पर अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा जवाब प्रस्तुत करते हुए एतराज जताया गया। एवं विवेचना मौखिक रूप से निवेदन करते	

Signature Not Verified
Digitally signed by Sukha Ram Pindel
Date: 2024.06.19 10:24:04 IST
Reason: SelfAttested

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
	हुए पत्रावली में दोनो उभयपक्षगण को ना दावा पाबंद किये जाने कि मौखिक सहमति दी गई। जिसपर प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा भी कोई एतराज नही जताया गया। उभयपक्षगण को स्थाई निषेधाज्ञा के से पाबन्दी पर मौखिक सहमति दी गई। हमने पत्रावली के तथ्यों प्रस्तुत राजस्व रेकार्ड का अवलोकन किया [illegible] कि बहस सुनी दोनो अधिवक्ताओं कि बहस एंव मौखिक सहमति पर मनन किया गया अतः प्रार्थी प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा [illegible] प्रार्थी व अप्रार्थीगण अधिवक्ताओं की मौखिक सहमति के आधार पर इस आशय के साथ स्वीकार किया जाता है कि उभयपक्षगण को ना दावा फैसल अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि पत्रावली पूर्व में जारी स्टे आदेश दिनांक 26.7.2018 को दावा फैसले तक कायम किया है पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज रजिस्टर के बाद होकर [illegible] के साथ शामिल रहे। हुक्म [signature] SDO [illegible]

Signature Not Verified

Digitally signed by Sukha Ram Pindel
Date: 2024.06.19 10:24:04 IST
Reason: SelfAttested